



Hargharpanditji

॥ दीपावली के 5 दिन ॥

ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ दीपावली के 5 दिन ॥

दीपावली केवल एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि पाँच दिनों तक चलने वाला प्रकाश, समृद्धि और धार्मिक आस्था का पर्व है। इन पाँच दिनों में धन, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, पारिवारिक प्रेम और आध्यात्मिक उन्नति से जुड़ी अलग-अलग परंपराएँ निभाई जाती हैं।

धनतेरस — धन और स्वास्थ्य का पर्व

दीपावली का पहला दिन धनतेरस कहलाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा की जाती है। धनतेरस पर सोना, चाँदी, बर्तन या अन्य उपयोगी वस्तुएँ खरीदना शुभ माना जाता है।

मुख्य विषय: धन, स्वास्थ्य और समृद्धि
विशेष: धन्वंतरि पूजा और दीपदान

नरक चतुर्दशी — छोटी दीपावली

दूसरे दिन को नरक चतुर्दशी, रूप चौदस या छोटी दीपावली कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया था। इस दिन प्रातःकाल स्नान और दीपदान की परंपरा है।

मुख्य विषय: नकारात्मकता और बुराई से मुक्ति
विशेष: अभ्यंग स्नान और यम दीपक

दीपावली — लक्ष्मी-गणेश पूजा

तीसरा दिन दीपावली का मुख्य पर्व होता है। इस दिन घरों और प्रतिष्ठानों में दीपक जलाए जाते हैं तथा माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। भक्त धन, सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

मुख्य विषय: प्रकाश, समृद्धि और शुभता
विशेष: लक्ष्मी-गणेश पूजन, दीप प्रज्वलन और आरती

गोवर्धन पूजा — अन्नकूट उत्सव

चौथे दिन गोवर्धन पूजा और कई स्थानों पर अन्नकूट मनाया जाता है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा करने की कथा इस दिन से जुड़ी है। प्रकृति, अन्न और गौ-सेवा के प्रति कृतज्ञता भी इस पर्व का महत्वपूर्ण भाव है।

मुख्य विषय: प्रकृति, अन्न और संरक्षण

विशेष: गोवर्धन पूजा और अन्नकूट

भाई दूज — भाई-बहन के प्रेम का पर्व

पाँचवें दिन भाई दूज मनाई जाती है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना करती हैं।

भाई अपनी बहनों को प्रेम और सुरक्षा का वचन देते हैं।

मुख्य विषय: भाई-बहन का प्रेम और पारिवारिक संबंध

विशेष: तिलक, पूजा और भाई की मंगलकामना

Hargharpanditji

"PUSH ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"